

Obsah

| | |
|--|-----|
| I. Úvod | 7 |
| II. S novou modernou (1907-1914) | 11 |
| 1. Hledání generace..... | 11 |
| 1.1. Generační diskuse | 11 |
| 1.2. „Doyen mladé generace“: S. K. Neumann | 25 |
| 2. Hledání programu | 34 |
| 2.1. Život a styl..... | 35 |
| 2.2. Tvorba jako práce a experiment | 47 |
| 2.3. Tradice a dnešek..... | 53 |
| 2.4. Domov a svět..... | 59 |
| 2.5. Drama – program – kritika. Langerův <i>Svatý Václav</i> | 64 |
| 3. Hledání kritérií | 71 |
| (3.1. Podmínky) | 71 |
| (3.2. Jan Thon)..... | 74 |
| (3.3. František Langer) | 77 |
| (3.4. Bratři Čapkové) | 83 |
| (3.5. Josef Kodíček)..... | 95 |
| (3.6. Ervín Taussig) | 103 |
| III. Nové úkoly (1917-1939) | 107 |
| 1. V nové situaci (1917-1924) | 107 |
| (1.1. Pokus o novou koncentraci moderny) | 107 |
| (1.2. Karel Čapek) | 109 |
| (1.3. Miroslav Rutte)..... | 120 |
| (1.4. Josef Kodíček)..... | 134 |
| (1.5. Ferdinand Peroutka)..... | 140 |
| 2. Ohledávání generace | 144 |

| | |
|---|-----|
| 2.1. Generační konfrontace 1922-1923..... | 144 |
| 2.2. Generační polemika 1924 | 146 |
| 2.3. Generace budovatelů..... | 154 |
| 3. Soumrak generační kritiky (1924-1939)..... | 159 |
| (3.1. O význam a funkci kritiky)..... | 159 |
| (3.2. Miroslav Rutte)..... | 167 |
| (3.3. Ferdinand Peroutka)..... | 179 |
| (3.4. Josef Kodíček)..... | 191 |
| (3.5. Karel Čapek)..... | 196 |
| IV. Závěrem | 201 |
| V. Literatura | 207 |
| Poznámka..... | 214 |
| Rejstřík..... | 215 |